शाश्वत टाइम्स

हिन्दी दैनिक

वर्ष: 7, अंक : 285 पृष्ठ : 12
कानपुर महानगर, रविवार
05 मार्च, 2023
मूल्य ₹ 3.00

www.shashwattimes.com

साम्यवादी चीन हमारा सबसे मजबूत और अनुशासित शत्रु हैः निक्की हेली...11

सब्जियों की जैविक खेती स्वाद,सेहत और

आर्थिक दृष्टि से लाभकारीः कृषि वैज्ञानिक

शाश्वत टाइम्स कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के कृषि वैज्ञानिकों द्वारा जनपद में रसायन मुक्त सब्जी उत्पादन के लिए प्रशिक्षण के माध्यम से कृषको को जागरूक किया जा रहा है। इसी कड़ी में रसूलाबाद विकासखंड के गांव आलमपुरखेड़ा में कृषक श्री बाबू राम के प्रक्षेत्र पर कृषकों हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कृषि वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि आधुनिक कृषि के तहत रासायनिक उर्वरकों के असंतुलित प्रयोग एवं जैविक खादों के नगण्य उपयोग की वजह से भूमि में मुख्य एवं सूचहम पोषक तत्वों की कमी होने से न केवल फसलों की पैदावार में गिरावट आ रही है। बल्कि विभिन्न कृषि उत्पादों की गुणवत्ता पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। डॉक्टर खान ने बताया कि सब्जी उत्पादन में यह समस्या गंभीर रूप धारण करती जा रही है। क्योंकि इनमें फसलों की अपेक्षा रासायनिक उर्वरक तथा पौध संरक्षण और वृद्धि नियंत्रक

रसायनों का बेशुमार इस्तेमाल किया जा रहा है।जिसके परिणाम स्वरूप जल वायु प्रदूषण भी बढ़ता जा रहा है। इस अवसर पर प्रसार वैज्ञानिक डॉ सुशील कुमार ने सब्जी मटर, मूली, टमाटर ,गोभी, बंद गोभी, पत्ता गोभी इत्यादि सब्जियों की वैज्ञानिक विधि के बारे में विस्तार से किसानों को जानकारी दी। डॉ कुमार ने सब्जी की खेती के तरीके को बढ़ावा देने की पहल की है।इस अवसर पर प्रगतिशील कृषक बाबू राम, महेंद्र यादव सहित 60 से अधिक किसान उपस्थित रहे।

रसायन मुक्त सब्जी उत्पादन के लिए दिया प्रशिक्षण

जन एक्सप्रेस/कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के कृषि वैज्ञानिकों द्वारा जनपद में रसायन मुक्त सब्जी उत्पादन के लिए प्रशिक्षण के माध्यम से कृषको को जागरूक किया जा रहा है। जिसके क्रम में शनिवार को रसूलाबाद विकासखंड के गांव आलमपुरखेड़ा में किसान बाबू राम के प्रक्षेत्र पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कृषि वैज्ञानिक डॉ.खलील खान ने बताया कि आधुनिक कृषि के तहत रासायनिक उर्वरकों के असंतुलित प्रयोग एवं जैविक खादों के नगण्य उपयोग की वजह से भूमि में मुख्य एवं सूचहम पोषक तत्वों की कमी हो जाती है जिससे फसलों की पैदावार में गिरावट के साथ विभिन्न कृषि उत्पादों की गुणवत्ता पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि जैविक सब्जी उत्पादन स्वास्थ्य व सेहत के लिए सर्वोत्तम है। जैविक सब्जियों के प्रति उपभोक्ताओं के बढ़ते रुझान के कारण बाजार में इन सब्जियों के बेहतर दाम मिलने की वजह से किसानों के लिए सब्जियों की खेती मुनाफे का सौदा साबित हो रही है। इस अवसर पर प्रगतिशील किसान बाबू राम, महेंद्र यादव सहित 60 से अधिक किसान मौजूद रहे।

राष्ट्रीय
सहारा

नयों की जैविक खेती
ा के लिये लाभकारी

(एसएनबी)। चंद्रशेखर आजाद प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कृषि ने कृषकों को रसायनमुक्त सब्जी के लिये जागरूक करते हुए इसके जरूरी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि की जैविक खेती, स्वाद और सेहत के किसानों की आय की दृष्टि से भी है।

कों को एक दिवसीय प्रशिक्षण में किसानों को सब्जियों की जैविक बारे में बताया गया। यहां कृषकों को करते हुए कृषि वैज्ञानिक डॉ. खलील बताया कि आधुनिक कृषि के तहत क उर्वरकों के असंतुलित प्रयोग और ादों के नगण्य उपयोग के चलते भूमि त्वों की कमी होती जा रही है। जिससे फसलों की पैदावार में भी गिरावट हो न्होंने कहा कि सब्जी उत्पादन में यह भीर रूप धारण करती जा रही है। नमें फसलों की अपेक्षा रासायनिक और पौध संरक्षण व वृद्धि नियंत्रक

वर्ष 17 अंक 63 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रू0 कानपुर, रविवार 05 मार्च 2023

कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी,ऐटा, हरदोई, उन्नाव,कानपुर देहात में प्रसारित

RNI N.UPHIN/2007/27090

दैनिक नगर छाया

आप की आवाज़.....

www.nagarchhaya.com

ऑस्कर्स की प्रेजेंटर बनेंगी दीपिका पादुकोण

सब्जियों की जैविक खेती स्वाद, सेहत और आर्थिक दृष्टि से लाभकारीः कृषि वैज्ञानिक

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के कृषि वैज्ञानिकों द्वारा जनपद में रसायन मुक्त सब्जी उत्पादन के लिए प्रशिक्षण के माध्यम से कृषको को जागरूक किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज रसूलाबाद विकासखंड के गांव आलमपुरखेड़ा में कृषक श्री बाबू राम के प्रक्षेत्र पर कृषकों हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कृषि वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि आधुनिक कृषि के तहत रासायनिक उर्वरकों के असंतुलित प्रयोग एवं जैविक खादों के नगण्य उपयोग की वजह से भूमि में मुख्य एवं सूचहम पोषक तत्वों की कमी होने से न केवल फसलों की पैदावार में गिरावट आ रही है। बल्कि विभिन्न कृषि उत्पादों की गुणवत्ता पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। डॉक्टर खान ने बताया कि सब्जी उत्पादन में यह समस्या गंभीर रूप धारण करती जा रही है। क्योंकि इनमें फसलों की अपेक्षा रासायनिक उर्वरक तथा पौध संरक्षण और वृद्धि नियंत्रक रसायनों का बेशुमार इस्तेमाल किया जा रहा है।जिसके परिणाम स्वरूप जल वायु प्रदूषण भी बढ़ता जा रहा है उन्होंने कहा कि जैविक सब्जी उत्पादन से स्वास्थ्य व सेहत के लिए सर्वोत्तम है। जैविक सब्जियों के प्रति उपभोक्ताओं के बढ़ते रुझान के कारण बाजार में इन सब्जियों के बेहतर दाम मिलने की वजह से किसानों के लिए सब्जियों की खेती मुनाफे का सौदा साबित हो रही है। इस अवसर पर प्रसार वैज्ञानिक डॉ सुशील कुमार ने सब्जी मटर, मूली, टमाटर ,गोभी, बंद गोभी, पत्ता गोभी इत्यादि सब्जियों की वैज्ञानिक विधि के बारे में विस्तार से किसानों को जानकारी दी। डॉ कुमार ने सब्जी की खेती के तरीके को बढ़ावा देने की पहल की है।इस अवसर पर प्रगतिशील कृषक बाबू राम, महेंद्र यादव सहित 60 से अधिक किसान उपस्थित रहे।

(हिन्दी दैनिक)

R.N.I. No. Utthin/2018/76731

(गांव देहात की खबर, शहर पर भी नजर)

दि ग्राम टुडे

उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश से एक साथ प्रसारित

वर्ष : 04 अंक : 311 देहरादून, रविवार, 05 मार्च 2023 मूल्य : 2 रुपये पृष्ठ - 8

इस दौरान ब्लॉक परिसर में गहमागहमी का ... गिनती चल रहा था गहमागहमी का माहौल था। ... चुनाव की संभावना जताई जा रही है।

सब्जियों की जैविक खेती स्वाद,सेहत और आर्थिक दृष्टि से है लाभकारी...कृषि वैज्ञानिक

दि ग्राम टुडे, कानपुर।

(मीनाक्षी राहुल सोनकर)

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के कृषि वैज्ञानिकों द्वारा जनपद में रसायन मुक्त सब्जी उत्पादन के लिए प्रशिक्षण के माध्यम से कृषको को जागरूक किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज रसूलाबाद विकासखंड के गांव आलमपुरखे?ा में कृषक श्री बाबू राम के प्रक्षेत्र पर कृषकों हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कृषि वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि आधुनिक कृषि के तहत रासायनिक उर्वरकों के असंतुलित प्रयोग एवं जैविक खादों के नगण्य उपयोग की वजह से भूमि में मुख्य एवं सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी होने से न केवल फसलों की पैदावार में गिरावट आ रही है। बल्कि विभिन्न कृषि उत्पादों की गुणवत्ता पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। डॉक्टर खान ने बताया कि सब्जी उत्पादन में यह समस्या गंभीर रूप धारण करती जा रही है। क्योंकि इनमें फसलों की अपेक्षा रासायनिक उर्वरक तथा पौध संरक्षण और वृद्धि नियंत्रक रसायनों का बेशुमार इस्तेमाल किया जा रहा है।जिसके परिणाम स्वरूप जल वायु प्रदूषण भी बढ़ता जा रहा है उन्होंने कहा कि जैविक सब्जी उत्पादन से स्वास्थ्य व सेहत के लिए सर्वोत्तम है। जैविक सब्जियों के प्रति उपभोक्ताओं के बढ़ते रुझान के कारण बाजार में इन सब्जियों के बेहतर दाम मिलने की वजह से किसानों के लिए सब्जियों की खेती मुनाफे का सौदा साबित हो रही है। इस अवसर पर प्रसार वैज्ञानिक डॉ सुशील कुमार ने सब्जी मटर, मूली, टमाटर ,गोभी, बंद गोभी, पत्ता गोभी इत्यादि सब्जियों की वैज्ञानिक विधि के बारे में विस्तार से किसानों को जानकारी दी। डॉ कुमार ने सब्जी की खेती के तरीके को बढ़ावा देने की पहल की है।इस अवसर पर प्रगतिशील कृषक बाबू राम, महेंद्र यादव सहित 60 से अधिक किसान उपस्थित रहे।